



Sri Sathya Sai Sadhana Trust

Publications Division, Prasanthi Nilayam

CHAMAKAM

3rd Anuvaka

शं च मे मयश्च मे
śam ca me mayāśca me
प्रियं च मेऽनुकामश्च मे
priyam ca me'nukāmaśca me
कामश्च मे सौमनसश्च मे
kāmaśca me saumanasaśca me
भद्रं च मे श्रेयश्च मे
bhadram ca me śreyaśca me
वस्यश्च मे यशश्च मे
vasyaśca me yaśāśca me
भगश्च मे द्रविणं च मे
bhagaśca me draviṇam ca me
यन्ता च मे धर्ता च मे
yantā ca me dhartā ca me
क्षेमश्च मे धृतिश्च मे
kṣemaśca me dhṛtiśca me

विश्वं च मे महश्च मे

viśvaṁ ca me mahāśca me

संविच्च मे ज्ञात्रं च मे

saṁvicca me jñātraṁ ca me

सूश्च मे प्रसूश्च मे

sūśca me prasūśca me

सीरं च मे लयश्च म

sīraṁ ca me layaśca ma

ऋतं च मेऽमृतं च मे

ṛtaṁ ca me 'mṛtaṁ ca me

अयक्ष्मं च मेऽनामयच्च मे

ayaḥkṣmaṁ ca me 'nāmayacca me

जीवातुश्च मे दीर्घायुत्वं च मे

jīvātuśca me dīrghāyutvaṁ ca me

अनमित्रं च मेऽभयं च मे

anamitraṁ ca me 'bhayaṁ ca me

सुगं च मे शयनं च मे

sugaṁ ca me śayanaṁ ca me

सूषा च मे सुदिनं च मे ॥३॥

sūṣā ca me sudinaṁ ca me ॥3॥